

AQ-406

M.A. (Part—II) Examination
Group—B
ECONOMICS
Paper—VII
(Financial Institutions and Markets)

Time—Three Hours] [Maximum Marks—100

Note :— (1) Attempt all FIVE questions.

(2) All questions carry equal marks.

1. Explain the types of Financial Intermediaries. State its importance and functions.

OR

What is meant by structure of Financial System ? Describe its role in the Economic development of a country.

2. Critically examine 'Modern theory of Interest'.

OR

What is meant by administered interest rate ? What are the causes of difference in the rate of interest ?

3. (a) Explain any three functions of Central Bank.

- (b) Explain the objectives of the Monetary Policy in developing countries.
- (c) State the functions of Investment Banking.
- (d) Explain the concept of Bank Rate.

OR

- (e) Explain the process of credit creation of commercial bank.
 - (f) Explain the effectiveness of open market operations.
 - (g) State the functions of Merchant Bank.
 - (h) Explain the recent financial sector reforms in India.
4. (a) Explain the types of Non-bank financial institutions.
- (b) What is money market ? Enlist its constituents.
 - (c) Explain the structure of capital market in India.
 - (d) Explain the functions of SEBI.

OR

- (e) What are the features of Unorganized Money Market ?
- (f) Which are the features of Call Money Market ?
- (g) Explain the concept of Bill Market.
- (h) Explain the functions of IRDA.

- (इ) असंगठित मुद्रा बाजार की विशेषताएं कौनसी हैं ?
- (फ) तुरंत मुद्रा बाजार के लक्षण कौनसे हैं ?
- (ग) व्यापारी हुंडी बाजार की संकल्पना विशद कीजिये।
- (ह) बीमा नियंत्रण और विकास अधिनियम (IRDA) के कार्य स्पष्ट कीजिये।

5. (अ) बहुविध विनिमय दर प्रणाली के गुण बताइये।
- (ब) अवमूल्यन तथा मूल्यहास का आशय स्पष्ट कीजिये।
 - (क) ब्रेटनवुड प्रणाली असफल होने के कारण स्पष्ट कीजिये।
 - (ड) युरो-डॉलर से क्या आशय है ?

अथवा

- (इ) विनिमय दर में परिवर्तन के कारण कौनसे हैं ?
- (फ) मासस्ट्रिच करार के पश्चात की घटनाएं स्पष्ट कीजिये।
- (ग) आंतरराष्ट्रीय तरलता के महत्व को स्पष्ट कीजिये।
- (ह) एशियाई विकास बैंक के कार्य स्पष्ट कीजिये।

2. ब्याज के आधुनिक सिद्धांत का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

अथवा

प्रशासित ब्याजदर का आशय क्या है ? ब्याज दरों में भिन्नता के कारण कौनसे हैं ?

3. (अ) मध्यवर्ती बैंक के कोई तीन कार्य बताइये।

(ब) अविकसित देश में मौद्रिक नीति के उद्देश्य स्पष्ट कीजिये।

(क) निवेश अधिकोष के कार्य बताइये।

(ड) अधिकोष दर की अवधारणा बताइये।

अथवा

(इ) व्यापारी बैंक की साख निर्माण प्रक्रिया स्पष्ट कीजिये।

(फ) प्रभावी साधन के रूप में खुले बाजार क्रिया की प्रभावशीलता स्पष्ट कीजिये।

(ग) प्रकल्पसेवी (Merchant) बैंक के कार्य विशद कीजिये।

(ह) भारत में वित्तीय क्षेत्र में हुए नये सुधार स्पष्ट कीजिये।

4. (अ) गैर अधिकोषेत्तर वित्ति संस्था के प्रकार बताइये।

(ब) मुद्रा-बाजार का आशय क्या है ? उसके घटक बताइये।

(क) भारत की पूंजी बाजार की संरचना पर भाष्य कीजिये।

(ड) सेबी (SEBI) के कार्य विशद कीजिये।

अथवा

5. (a) State the merits of Multiple Exchange Rate.

(b) Explain the meaning of Devaluation and Depreciation.

(c) Explain the causes for falls of Brettonwood system.

(d) What is Euro Dollar ?

OR

(e) Explain the causes of changes in Exchange Rates.

(f) Explain the post Maastricht development.

(g) Explain the importance of International liquidity.

(h) Explain the functions of Asian Development Bank.

(मराठी माध्यम)

सूचना :—(1) सर्व पाचही प्रश्न सोडवा.

(2) सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. वित्तीय मध्यस्थांचे प्रकार विशद करून त्यांचे महत्त्व व कार्य सांगा.

किंवा

वित्तीय संरचना प्रणाली म्हणजे काय ? देशाच्या आर्थिक विकासात तिची भूमिका विशद करा.

2. 'व्याजाच्या आधुनिक सिद्धांताचे' टीकात्मक परीक्षण करा.

किंवा

प्रशासित व्याजदर म्हणजे काय ? व्याजदरात भिन्नता असण्याची कारणे कोणती ?

3. (अ) केंद्रीय अधिकोषाची कोणतीही तीन कार्ये स्पष्ट करा.
- (ब) अविकसित देशात मौद्रिक नीतिची उद्दिष्टे स्पष्ट करा.
- (क) गुंतवणूक अधिकोषाची कार्ये सांगा.
- (ड) अधिकोष दराची संकल्पना स्पष्ट करा.

किंवा

- (इ) व्यापारी बँकाची प्रत्यय निर्मितीची प्रक्रिया स्पष्ट करा.
- (फ) खुल्या बाजारातील व्यवहाराची प्रभावशीलता स्पष्ट करा.
- (ग) प्रकल्पसेवी अधिकोषाची कार्ये स्पष्ट करा.
- (ह) भारतात वित्तीय क्षेत्रात झालेल्या नविन सुधारणा स्पष्ट करा.

4. (अ) गैर-अधिकोषीय वित्तीय संस्थांचे प्रकार विशद करा.
- (ब) मुद्रा-बाजार म्हणजे काय ? त्याचे घटक स्पष्ट करा.
- (क) भारतातील भांडवली बाजाराची संरचना स्पष्ट करा.
- (ड) भारतीय प्रतिभूती व विनिमय मंडल (SEBI) चे कार्ये स्पष्ट करा.

किंवा

(इ) असंगठित मुद्रा बाजाराची लक्षणे कोणती ?

(फ) मागताक्षणीच मुद्राबाजाराची लक्षणे कोणती आहेत ?

(ग) व्यापारी हुंडी बाजाराची संकल्पना स्पष्ट करा.

(ह) विमा नियंत्रण व विकास अधिनियम (IRDA) ची कार्ये स्पष्ट करा.

5. (अ) बहुविध विनिमय दर प्रणालीचे गुण सांगा.

(ब) अवमूल्यण आणि मूल्यन्हास या संकल्पनांचा अर्थ स्पष्ट करा.

(क) ब्रेटनवुड पद्धत कोसळण्याची कारणे स्पष्ट करा.

(ड) युरो-डॉलर म्हणजे काय ?

किंवा

(इ) विनिमय दरात बदल होण्याची कारणे स्पष्ट करा.

(फ) मासस्ट्रिच तहानंतरच्या घडामोडी स्पष्ट करा.

(ग) आंतरराष्ट्रीय तरलतेचे महत्त्व स्पष्ट करा.

(ह) आशियाई विकास अधिकोषाची कार्ये स्पष्ट करा.

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :—(1) सर्भी पाँच प्रश्न हल कीजिये।

(2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. वित्तीय मध्यस्थों के प्रकार विशद कीजिये। उनका महत्त्व तथा कार्य लिखिये।

अथवा

वित्तीय संरचना प्रणाली से क्या आशय है ? देश के आर्थिक विकास में उसकी भूमिका विशद कीजिये।